सीफा समाचार
CIFA NEWS

केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान
Central Institute of Freshwater Aquaculture

Vol. 21 No.2 | April-June, 2014 | ISSN 0972-0138 | अंक.21, सं. 2 | अप्रैल -जून, 2014

DIRECTOR'S DESK

As a part of the Odisha monsoon contingency plan, our scientists have visited 5 districts, including Bolangir, Ganjam, Keonjar, Nayagarh and Sambalpur and collected detailed information on agriculture crops, soil and water characteristics and rainfall trend during the quarter May-July. They had extensive discussions with district officials including Collector, KVK staff and state fisheries officers. In general, monsoon was weakest during June and almost normal during July. While writing this report many districts in Odisha are reeling under flood like situation.

Application of space technology, e-governance, greater linkages with state and central institutions, better communication facilities and wider reach of our technologies to the farmers are among the top priorities of CIFA in the coming years. Standing Financial Committee (SFC) document of the Institute is approved by the Planning Commission and the onus is on us to implement the programmes with great speed and vigour in the coming two and half years.

Let me heartily welcome seven new ARS scientists who have joined CIFA. They belong to disciplines of fish genetics and breeding, aquaculture, fish health

निदेशक की कलम से...

ओडिशा मानसुन आपात योजना के एक भाग के रुप में, हमारे वैज्ञानिकों ने बोलांगीर, गंजम, केउझंर, नयागढ़ और सांबलपूर सहित पांच जिलों का दौरा किया और मई-जुलाई तिमाही के दौरान कृषि फसलों, मृदा एवं जल गुणों और वर्षा की प्रवृत्ति पर विस्तृत जानकारी का संग्रह किया है। उन्होनें कलेक्टर, केवीके कर्मचारियों और राज्य मत्स्य अधिकारियों सहित जिला अधिकारियों के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। सामान्य रुप में वर्षा जून में सबसे कमजोर एवं जुलाई के दौरान लगभग सामान्य था। इस रिपोर्ट लिखने के दौरान ओडिशा के कई जिला बाढ़ की चपेट में था।

अतरीक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग, ई- प्रशासन, राज्य एवं केंद्रीय संस्थानों के साथ अधिक से अधिक संपर्क, बेहतर संचार सुविधाएं और किसानों तक हमारे प्रौद्योगिकियों का ज्यादा पहुँच आने वाले वर्षों में सीफा की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। संस्थान की स्थायी वित्तीय समिति (एसएफसी) दस्तावेज को योजना आयोग ने मंजुरी दे दी है और आने वाले ढाई वर्षों में तेज गति एवं उत्साह के साथ कार्यक्रमों को लागू करने की जिम्मेदारी हम सभी पर है।

हम सात नए एआरएस वैज्ञानिकों का ह्रदय से स्वागत करते है जिन्होनें सीफा में कार्यभार संभाला है। ये मत्स्य आनुवांशिकी एवं प्रजनन, जलकृषि, मत्स्य स्वास्थ्य एवं मत्स्य पोषण विषयों से संबंधित है। वें

CONTENTS

Director's Desk	1	Tribal Sub Plan (TSP)	6	Visitors	17
Institute News	2	Training Programmes	7	Appointments	18
Research Highlights	2	Exposure Visits	10	Promotion	19
Extension Activities / Technology Transfer	5	Awards	13	Retirements	19

and fish nutrition. They are fresh from their academic research and raring to go. We have to motivate, guide and support these youngsters for delivering their best for the growth of this Institute and overall development of the aquaculture sector.

Let us also welcome the new Senior Finance and Accounts Officer who has joined CIFA.

P. Jayasankar

अपने शैक्षिक अनुसंधान से नए है एवं जानने के लिए उत्सुक है। हमे इस संस्थान के विकास और जलकृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए इन युवाओं को प्रेरित, मार्गदर्शन एवं समर्थन करना है।

हम सभी नए वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी का भी स्वागत करते है जिन्होने सीफा में कार्यभार संभाला है।

पी. जयसंकर

INSTITUTE NEWS

संस्थागत समाचार

RESEARCH HIGHLIGHTS

अनुसंधान गतिविधियाँ

Tamanu oil cake incorporation in carp feed

Indian doomba *(Calophylum inophylum)* is commonly known as Alexanderian laurel, belongs to family Clusiaceae (or Guttiferae) and it is considered as avenue plant and plant for afforestation programme. The fruit bears a seed and covers with corky shell. Cornel of the seed contains about 60% oil. The oil is popularly known as tamanu oil, which is non-edible and its use in medicine and cosmetics have many evidents. The oil cake is a good source of protein (24%). Ether extract contains mono unsaturated fatty acid (MUFA) of 39% and n-6 poly unsaturated fatty acid of 28%. Secondary metabolites like phenol, tannin, flavonoid, etc. are detected in the oil cake. Rohu fingerlings were fed with tamanu oil cake (TOC) incorporated feed for a period of 90 days. It is found that test feed at 10% incorporation level of TOC has no adverse effect on growth and survival of the fingerlings. Hence, there is a scope for using TOC in carp feed as a non-conventional feed ingredient.

Seed cornel of doomba

कार्प आहार में तमनु तेल खल्ली का समावेश

भारतीय टुम्बा *(कालोफाइलम इनोफाइलम)* एलेक्जनडेरियम लॉलेल के रुप में अधिक जाता जाता है जो फैमिली क्लूसिएसिया (या गुट्टीफेराई) के अंतर्गत आता है और यह अवसर पौधा और वनीकरण कार्यक्रम के लिए पौधा के रुप में माना जाता है। फल में बीज होता है और कोर्की खोल (शेल) के साथ ढका रहता है। बीज की कोरनेल में लगभग 60% तेल होता है। तमनु तेल के रुप में जाना जाता है जो गैर खाद्य है और लोकप्रिय चिकित्सा और सौंदर्य प्रसाधन में इसके उपयोग के कई तथ्य है। तेल खल्ली प्रोटीन (24%) का एक अच्छा श्रोत है। इथर एक्सट्रेक्ट में 39% मोनो अनसेचुरेटेड फैटी एसिड (एमयुएफए) और 28% एन-6 पॉली अनसेचुरेटेड फैटी एसिड होता है। फिनॉल, टेनीन, फ्लेवोन्यॉड जैसे माध्यमिक चयापचयों तेल खल्ली में पता चला है। रोहू अंगुलिकाओं को 90 दिनों की अवधि के लिए तमनु तेल खल्ली समावेषित 5 आहार के साथ खिलाया गया। यह पाया गया कि टीओसी के 10% समावेश स्तर पर परीक्षण फीड का अंगुलिकाओं के विकास और उत्तजीवित्ता पर कोइ प्रतिकुल प्रभाव नही पाया गया। इसलिए एक गैर पारंपरिक आहार सामग्री के रुप में कार्प फीड में टीओसी के प्रयोग करने की गुंजाइस है।

Efficiency of fish hydrolysate for better plankton production

Fish hydrolysate is the product prepared from the fish waste produced during dressing of the fish. An experiment was designed and conducted in the laboratory of AICRP on APA, CIFA, Bhubaneswar to study the efficacy of the fish hydrolysate for productivity enhancement of water. The experiment was conducted with five concentrations of test material in glass jars, each filled with 25 liter of pond water. The experiment was conducted in duplicate for one month. The concentrations tested were 0.01, 0.05, 0.25, 1.25 and 6.25 ml/liter of water. In initial stage, the pond water parameters along with the plankton concentration and quality were analyzed and recorded. The planktons were analyzed on 3rd, 7th, 15th, 22nd and 30th day. More numbers of phytoplankton's than zooplanktons were found in the experimental jars. Within 15 days of experimentation, more plankton was found in 1.25 - 6.25 ml/l. More chlorophyll was found in 0.25 and 1.25 ml/l concentrations on 30th day. In one month duration the developed plankton in 1.25 - 6.25 ml/l concentration was seen completely decomposed. There were 31 species of phytoplankton abundantly found in four groups i.e. Blue – Green Algae (Anabaena, Phormidium, Polycystis, Rivularia, Spirulina, Merismopedia, Oscillatoria), Green Algae *(Ankistrodesmus, Botryoccoccus, Chaetophora, Cladophora, Protococcus, Scenedesmus, Spirogyra)*, Desmids *(Closterium, Desmidium, Docidium, Gonatozygon, Micrasterias, Netrium, Spirotaenia)*, and Diatoms *(Melosira, Cocconeis, Diatoma, Navicula, Synedra, Amphora, Tabellaria, Stephanodiscus)* and 7 species of zooplankton *(Daphnia, Sida, Diaptomus, Cyclops, Cypridopsis, Copepods, Rotifers)*.

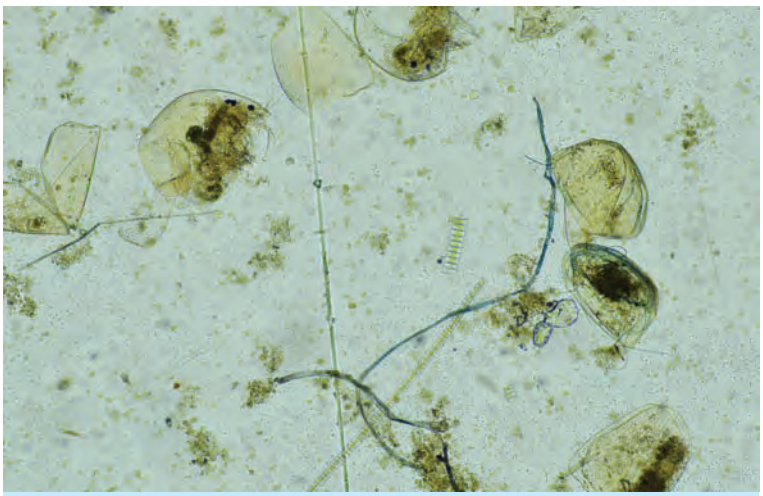

Zooplankton establishment on plastic sheet observed in microscope 10x

बेहतर प्लवक उत्पादन के लिए मत्स्य हाईड्रोलाइजेट की क्षमता

मत्स्य हाइड्रोलाइजेट मछली की ड्रेसिंग के दौरान उत्पादित मछली अपशिष्ट से तैयार उत्पाद है। जल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मत्स्य हाइड्रोलाइजेट की प्रभावकारिता अध्ययन करने के लिए एपीए, सीफा, भुवनेश्वर के एआईसीआरपी के प्रयोगशाला में एक प्रयोग को आयोजित किया गया। 25 लीटर तालाब जल के साथ भरे प्रत्येक कांच के जार में जांच सामग्री की पांच सांद्रता के साथ प्रयोग आयोजित किया गया। एक महीने के लिए प्रयोग को दो प्रतियों में आयोजित किया गया। परीक्षण सांद्रता 0.01, 0.05, 0.25, 1.25 और 6.25 मिलीग्राम/लीटर पानी में था। प्रारंभिक चरण में प्लवक सांद्रता और गुणवत्ता के साथ तालाब जल पारामीटर का विश्लेषण किया और दर्ज किया। प्लवकों को तीसरा, सातवां, पंद्रहवा, बाइसवां और तिसवां दिन पर विश्लेषण किया गया। प्रायोगिक जार में जंतु प्लवक की अपेक्षा पादप प्लवक की संख्या अधिक पायी गयी। प्रयोग के 15 दिनों के अंदर 1.25-6.25 मिली/लीटर सांद्रता में अधिक प्लवक पाया गया। तिसवां दिन 0.25 और 1.25 मिली/लीटर सांद्रता में ज्यादा क्लोरोफिल पाया गया। एक माह की अवधि में 1.25 - 6.25 मिली/लीटर सांद्रता में विकसित प्लवक पूरी तरह से विघटित पाया गया। चार समूहों में बहुतायत प्लवक की 31प्रजातियां पाई गई जैसे ब्लु-ग्रीन शैवाल *(एनावेना, फोरमिडियम, पोलीसीसटिस, रिवुलेरिया, एस्पीरुलिना, मेरिएसमोपेडिया, ओससीलेटोरिया)*, ग्रीन शैवाल *(एंकिस्टरोडेसमस, बोट्रीओक्कोकस, चेटोफोरा, क्लेडोफोरा, प्रोटोकोक्कस, सेनेडेसमस, स्पाइरोगेरा)*, डेसमिडस *(क्लोस्टेरियम, डेसमिडियम, डोकिडियम, गोनाटोजाइगोन, मिक्रास्टेरिएस, नेट्रियम, स्पारोटेइनिया)*, और डायटमस *(मेलोसिरा, कोकोनेइस, डायटोमा, नेविकुला, सिनेड्रा, अमफोरा, टेबेलेरिया, स्टेजफेनोडिसकस)* और जंतुप्लवक के सात प्रजातियाँ *(डेफनिया, सिडा, डायप्टोमस, साइक्लोप, सिप्रिडोपसिस, कोपिपोडस, रोटिफरस)*।

Farmer conducted early breeding of Indian Major Carps in 2014 in Murshidabad district of West Bengal by feeding CIFABROOD™

Mr Debsaran Ghosh (45years), a biology graduate lives in a remote village- Rashbeluria, Murshidabad district in West Bengal. He established a small unit of hatchery now known as Ghosh Hatchery in 2010 with the support from RKVY. It comprised of two Chinese breeding pools, seven hatching pools and six ponds of 12 bighas (4 acre) total water area. Farm operations mainly consist of brood stock rearing during September to March and breeding operations and selling of fish seeds during April to August each year. The species includes catla, rohu, mrigal (IMCs), grass carp, silver carp, common carp, bata and paccu. A new entrant in the business, he immediately faced tough competition from the hatcheries within his home district as well as from Ramsagar of neighbouring district Bankura where early breeding of carps is already a traditional business. Initially he used to purchase the broods for breeding purposes but repeated failure taught him to rear & develop own brood stock for timely start of hatchery operation particularly for early breeding. He also understood the importance of feeding a brood diet and tried a commercial feed during 2013 in his ponds instead of normal traditional feed. In November2013, he came to know about CIFABROOD™ and immediately applied in a two bigha pond @ 3% of body wt. on experimental basis from 3rd March 2014, while rest of the ponds were supplied with commercial diet. There were 100 nos each of catla and rohu, along with 200 nos each of mrigal and bata (av.wt.250gm) and the average wt of IMCs were 1.5kg. and were maturing for the second consecutive year. He was surprised to notice that broods in experimental pond matured within 20 days and were ready for breeding operation. Due to less number of males oozing at that time he could start breeding program only on 30th March2014 on catla, while broods in other ponds were still immature. In 2014, he has produced and sold 28 millions of IMC spawn. This success in early breeding not only built up his own confidence but also helped him to mantain his customers base (who otherwise would have gone to Ramsagar) and also provided him a lump sum return of his initial investment in the business.

Mrigal (av.wt.1.5kg.)

Mr Debsaran Ghosh

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला में कृषक ने सीफाब्रुड™ आहार खिलाकर 2014 में भारतीय प्रमुख कार्प का शीघ्र प्रजनन आयोजित किया

श्री देबसरण घोष (45 वर्ष) पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिला के दूरदराज गाँव - रशबेलुरिया का एक जीव विज्ञान स्नातक है। उन्होनें आरकेभीवाई से समर्थन के साथ 2010 में हैचरी की एक छोटी इकाई स्थापित किया जो अब घोष हैचरी के नाम से जाना जाता है। इसमे दो चाईनिज प्रजनन टैंक, सात हैंचिंग टैंक और 12 बिघा (4 एकड़) कुल जल क्षेत्र के 6 तालाब है। प्रक्षेत्र संचालन में प्रति वर्ष सितंबर से मार्च के दौरान प्रजनक मछलियों का संवर्धन और अप्रैल से अगस्त महीने के दौरान प्रजनन संचालन एवं मत्स्य बीजों का विक्रय शामिल है। प्रजातियों में कतला, रोहु, मृगल (भारतीय प्रमुख कार्प). ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प , कॉमन कार्प, बाटा एवं पाकु शामिल है। व्यापार में नए प्रवेश होने से उन्होने अपने गृह जिला के भितर हैचरियो के साथ साथ पड़ोसी जिला बांकुरा के रामसागर जँहा कार्प का शीघ्र प्रजनन पहले से एक पारंपरिक व्यावसाय है, से कड़ी स्पर्धा का सामना करना पड़ा। शुरु में वह प्रजनन प्रयोजनों के लिए प्रजनक मछलियों की खरिदारी करता था लेकिन लागातार असफलता ने खासकर शीघ्र प्रजनन के लिए हैचरी संचालन को समय पर शुरू करने के लिए अपना प्रजनक मछलियों के स्टॉक का संवर्धन एवं विकास हेतु सिख मिला। उन्होने प्रजनक आहार को खिलाने के महत्व को समझा और सामान्य प्रारंपरिक आहार के बदले में अपने तालाब में 2013 के दौरान एक वाणिज्यिक फीड खिलाने की कोशिश की। नवंबर, 2013 में उसे सीफाब्रुड™ के बारे में पता चला और तुरंत 3 मार्च, 2014 से प्रायोगिक आधार पर शरीर वजन का 3 प्रतिशत की दर से दो विघा तालाब में उपयोग किया गया। तालाब में मृगल एवं बाटा (औसत वजन 250 ग्राम) के प्रत्येक 200 संख्या के साथ साथ कतला एवं रोहू के प्रत्येक से 100 संख्या था और भारतीय प्रमुख कार्पों का औसत वजन 1.5 किलोग्राम था और दूसरे लागातार वर्ष के लिए परिपक्व हो रहे थे। वह खबर पाकर काफी चकित थे कि प्रयोगिक तालाब में प्रजनक मछलिया 20 दिनों के भीतर परिपक्व पायी गई एवं प्रजनन संचालन के लिए तैयार थे। उस समय वीर्य रिसाव वाले नर मछलियों की संख्या मे कमी के कारण उसने 30 मार्च 2014 को कतला का प्रजनन कार्यक्रम शुरु कर सका जबकि अन्य तालाबों में प्रजनक मछलियाँ अभी तक अपरिपक्व थी। 2014 में, उन्होने 20 मिलियन भारतीय प्रमुख कार्प स्पॉन का उत्पादन एवं विक्री किया। शीघ्र प्रजनन में यह सफलता न सिर्फ़ अपने ही विश्वास का निर्माण किया बल्कि ग्राहकों के विश्वास (अन्यथा वे रामसागर को चले जाते) को कायम रखने में भी मदद किया और व्यावसाय में उसके शुरुआती निवेश की एक मुश्त राशि का लाभ मिला।

EXTENSION ACTIVITIES / TECHNOLOGY TRANSFER

Training on Freshwater pearl culture for entrepreneurship development

The Institute organized a national training on "Freshwater pearl culture for entrepreneurship development" during 18-25 June, 2014. The programme was inaugurated by Dr. P. Jayasankar, Director, CIFA. He emphasized the importance of freshwater pearl farming in the country and enumerated the future development of entrepreneurship through pearl culture. He stressed on strengthening the human resource development in this important sector of aquaculture. Dr. G. S. Saha, Head, Social Science Section of CIFA also spoke on the occasion and the training program was coordinated by Dr. S. Saurabh.

Participants of training programme on pearl culture

During the training, preparation of biocompatible nuclear beads used for implantation of pearl mussels, different implantation techniques, graft preparation, post-operative management of implanted mussels, pond dynamics, etc. were explained and demonstrated to the participants. The trainees were farmers, entrepreneurs, researchers, SMS from KVKs, professionals and students from different states like Karnataka, Tamil Nadu, Uttar Pradesh, Maharashtra, Odisha and A&N Islands.

प्रसार गतिविधियाँ / प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

उद्यमिता विकास के लिए मीठाजल मोती पालन पर प्रशिक्षण

संस्थान ने 18-25 जून, 2014 के दौरान उद्यमिता विकास के लिए मीठाजल मोती पालन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ पी.जयसंकर, निदेशक, सीफा द्वारा किया गया। उन्होनें देश में मीठाजल मोती खेती के महत्व पर बल दिया और मोती पालन के माध्यम से उद्यमिता के भविष्य के विकास को विस्तार से बताया। उन्होनें जलकृषि के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में मानव संसाधन विकास को मजबूत करने पर बल दिया। डॉ जी.एस.साहा, प्रमुख सामाजिक विज्ञान इकाई, सीफा ने भी मोती पालन पर मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों की विस्तार की जरुरत पर बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को डॉ एस.सौरभ द्वारा समन्वित किया गया।

Training programme in progress

प्रशिक्षण के दौरान, मोती सीपी के आरोपण के लिए प्रयोग की गई बॉयोकम्पटेबल न्यूकीलियर बीड की तैयारी, विभिन्न आरोपण तकनीकी, ग्राफ्ट तैयारी, प्रत्यारोपित सीपी का पोस्ट ऑपरेटिव प्रबंधन, तालाब डायनामिक्स को प्रतिभागियों को बताया और प्रदर्शित किया गया। प्रतिभागियों में, विभिन्न राज्यों जैसे कर्नाटक, तमिलनाड, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और अंडोमान एवं निकोबार प्रायद्वीप से कृषक, उद्यमिता, शोधकर्ता, केवीके से एसएमएस, पेशेवर और विद्यार्थी थे।

TRIBAL SUB PLAN (TSP)

Carp breeding demonstration programme at Subarnapur, Gop, Puri District

Under TSP-CIFA, two trials of induced breeding of rohu were conducted at Subarnapur, Gop, Puri on 30 May and 3 June, 2014. In total 21.5 lakh spawn were harvested from two breeding trials. 25 farmers including 10 WSHG members were trained on identification of male and female brood carps, induced breeding and hatchery management. These spawn were distributed among the adopted farmers. The farmers are engaging themselves in rearing of the spawn.

जनजातीय उप योजना (टीएसपी)

सुबर्नापुर, गोप, पुरी जिला में कार्प प्रजनन प्रदर्शन कार्यक्रम

टीएसपी - सीफा के तहत रोहू के प्रेरित प्रजनन के दो परीक्षणों को 30 मई और 03 जून, 2014 को सुबर्नापुर, गोप, पुरी में आयोजित किया गया। दो प्रजनन परीक्षणों से कुल 21.5 लाख स्पॉन की पैदावार ली गई। 10 महिला स्वंम सहायता समूह सहित 25 कृषकों को नर एवं मादा प्रजनक मछलियों की पहचान, उत्प्रेरित प्रजनन और हैचरी प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया। कृषक स्पॉन संवर्धन में खुद शामिल है।

Collection of carp egg at Gop

Eggs being released to hatching pool at Gop

Carp spawn harvest at Gop

CIFA demonstration programme on integrated fish farming became the example for entire Sunderban Islands of West Bengal

In 2013, CIFA had initiated a massive demonstration programme through integrated aquaculture for livelihood development for the tribal people of Hathkhola Village, Bali Island, Sunderban, West Bengal. The outcome of the demonstration became a national example from TSP. During 23 and 24 April, 2014 the Principal Chief Conservator of Forest; Additional PCCF and Director, Sunderban Biosphere Reserve; Chief Conservator of Forest and Field Director, Sunderban Tiger Reserve; and other forest officials of West Bengal had attended a Workshop-cum-Interactive Session with the beneficiaries of TSP-CIFA; and Bali Nature and Wildlife Conservative Society at Bali. Dr B.C. Mohapatra, Principal Scientist and Chairman, TSP-CIFA appraised the CIFA demonstration programme at Bali to the participants. Motivated with the success of TSP-CIFA, the

एकीकृत मत्स्य खेती पर सीफा का प्रदर्शन कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के पूरे सुंदरवन द्वीप समूह के लिए एक उदाहरण बना

2013 में, सीफा ने हाथखोला गांव, बाली द्वीप, सुंदरवन, पश्चिम बंगाल के आदिवासी गांवों हेतु आजीविका विकास के लिए एकीकृत जलकृषि के माध्यम से एक विशाल प्रदर्शन कार्यक्रम शुरु किया। टीएसपी से प्रदर्शन परिणाम एक राष्ट्रीय उदाहरण बन गया। 23 और 24 अप्रैल, 2014 के दौरान वन के प्रधान मुख्य संरक्षक; अतिरिक्त पीसीसीएफ और निदेशक, सुंदरवन बायोस्फीयर रिजर्व; वन के प्रमुख संरक्षक और फील्ड निदेशक, सुंदरवन टाइगर रिजर्व; और पश्चिम बंगाल के अन्य वन्य अधिकारियों ने गाली में टीएसपी - सीफा के लाभर्थियों और बाली प्रकृति एवं वाइल्डलाइफ कंजेरवेटीव सोसायटी के साथ कार्यशाला सह इंटरेक्टिव सेशन में भाग लिया। डॉ बी.सी.महापात्रा, प्रधान वैज्ञानिक और अध्यक्ष, टीएसपी-सीफा ने प्रतिभागियों को बाली में सीफा प्रदर्शन कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। टीएसपी - सीफा की सफलता के साथ प्रेरित होकर

Sunderban Biosphere Reserve in collaboration with CIFA has adopted two villages from the Sunderban fringe area for integrated fish culture programme. Mr. Pradeep Shukla, IFS, APCCF and Director, Sunderban Biosphere Reserve has requested Dr. S. Ayyappan, Honorable Secretary DARE and DG, ICAR for implementation of ICAR programmes and for transforming technologies for development of various agriculture, aquaculture and the livelihood activities in other remote areas of Sunderban Biosphere Reserve.

सीफा के सहयोग में सुंदरवन बायोस्फेयर रिजर्व ने एकीकृत मत्स्य संवर्धन कार्यक्रम के लिए सुंदरवन फ्रिंज क्षेत्र से दो गांवों को अंगीकृत किया। सुंदरवन बायोस्फेयर रिजर्व के अन्य दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न कृषि, जलकृषि और आजीविका गतिविधियों के विकास के लिए पत्र में श्री प्रदीप शुक्ला, आईएफएस, एपीसीसीएफ और निदेशक, सुंदरवन बायोस्फेयर रिजर्व ने डॉ एस.अय्यप्पन, माननीय सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअप से अनुरोध किया।

Fish haul being shown to officials from CIFA

Interactive workshop at Bali

Training Programmes

प्रशिक्षण कार्यक्रम

Title शीर्षक	Duration अवधि	Participants प्रतिभागी
Mithajal Matsya Palan Me Unnati (in Hindi) for the farmers of Punjab पंजाब के कृषकों के लिए मीठाजल मत्स्य पालन में उन्नति (हिंदी में)	17-19 June, 2014 17-19 जून, 2014	7
Freshwater pearl culture for entrepreneurship development उद्यमिता विकास के लिए मीठाजल मोती पालन	18-25 June, 2014 18-25 जून, 2014	12

Participants of training programme

International/ National Workshops/ Seminars/ Meetings/ Trainings (organized and participated)

अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक/ प्रशिक्षण (आयोजित एव भाग लिया)

Event घटना	Venue स्थल	Duration अवधि	Participants प्रतिभागी
Meeting with Chairman, QRT (CIFA) and DG, ICAR and submission of QRT Report अध्यक्ष, पंचवर्षिय समीक्षा दल और महानिदेशक, भा कृ अ प के साथ बैठक और पंचवर्षिय समीक्षा दल रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण	ICAR, New Delhi भा कृ अ प, नई दिल्ली	5 April, 2014 5 अप्रैल, 2014	P. Jayasankar पी.जयसंकर
EFC meeting ईएफसी बैठक	ICAR, New Delhi भा कृ अ प, नई दिल्ली	7 April, 2014 7 अप्रैल, 2014	P. Jayasankar and P K Sahoo पी.जयसंकर और पी.के.साहू
Global Conference on Animal Nutrition पशु पोषण पर वैश्विक सम्मेलन	Bengaluru बेंगलुरू	20-21 April 2014 20-21 अप्रैल, 2014	S. S. Giri & B N Paul एस.एस.गिरी और बी.एन.पॉल
Workshop on "Livelihood development of tribal farmers through aquaculture" जलकृषि के माध्यम से आदिवासी किसानों की आजीविका विकास पर कार्यशाला	Bali Island, Sunderban, West Bengal बाली आईलैंड, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल	23-24 April, 2014 23-24 अप्रैल, 2014	B. C. Mohapatra बी.सी.महापात्रा
Workshop on Nutritional Advantages of Shrimp with Focus on its Heart Healthy Lipid Elements ह्रदय को स्वस्थ लिपिड तत्वों पर ध्यान केंद्रित के साथ झींगा के पोषाहार लाभ पर कार्यशाला	CIBA, Chennai सीबा, चैन्नई	25April 2014 25 अप्रैल, 2014	J K Sundaray जे.के.सुंदराय
Interactive Conference of Directors of ICAR Institutes (convened by Secretary DARE and DG, ICAR) भाकृअप संस्थानो के निदेशकों का इंटरएक्टिव सम्मेलन (सचिव, डेयर एरां महानिदेशक, भाकृअप द्वारा बुलाई गई)	NASC Campus, New Delhi नास परिसर, नई दिल्ली	28 April, 2014 28 अप्रैल, 2014	P. Jayasankar पी.जयसंकर
SMD level meeting of Outreach Programmes आउटरीच कार्यक्रमों का एसएमडी स्तरीय बैठक	New Delhi नई दिल्ली	9 May, 2014 9 मई, 2014	S. S. Giri एस.एस.गिरी

Brainstorming workshop on 'Strategies for enhancing livestock and fishery production in the state of Chhattishgarh' छत्तीसगढ़ राज्य में पशुधन और मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए रणनीति पर बुद्धिशीलता कार्यशाला	Anjora, Durg अन्जोरा, दुर्ग	13 May, 2014 13 मई, 2014	P. Jayasankar पी.जयसंकर
National Committee meeting on Introduction of Exotic Species to be introduced to Indian Water भारतीय जल में विदेशी प्रजातियों के समावेश पर राष्ट्रीय समिति की बैठक	Krishi Bhavan, New Delhi कृषि भवन, नई दिल्ली	24 May 2014 24 मई, 2014	J.K. Sundaray जे.के. सुंदराय
Fourth meeting of scientific panel for Fish and fisheries products मत्स्य एवं मात्स्यिकी उत्पादों के लिए वैज्ञानिक पैनल की चौथी बैठक	ICAR, New Delhi भा कृ अ प, नई दिल्ली	26 May, 2014 26 मई, 2014	P. Jayasankar पी.जयसंकर
Foundation lecture of NAAS नास का स्थापना व्याख्यान	NAAS, New Delhi नास परिसर, नई दिल्ली	5 June, 2014 5 जून, 2014	P. Jayasankar पी.जयसंकर
NAIP-IFPRI workshop on Assessment of capacity building under NAIP overseas training ब्एनएआईपी विदेशी प्रशिक्षण के अंतर्गत क्षमता निर्माण के आंकलन पर एनएआईपी-आईएफपीआरआई कार्यशाला	NASC Complex, New Delhi नास परिसर, नई दिल्ली	6-7 June, 2014 6-7 जून, 2014	P. Jayasankar P. K. Sahoo P. Swain S. K. Swain S. Adhikari B. C. Mohapatra S. Mohanty S. Nandi पी.जयसंकर पी.के.साहू, पी.स्वाईं एस.के.स्वाईं, एस.अधिकारी, बी.सी.महापात्र, एस.महंती, एस नंदी
Rural Programme Subject Committee meeting of All India Radio ऑल इंडिया रेडियों के ग्रामीण कार्यक्रम विषय समिति की बैठक	Cuttack कटक	12 June, 2014 12 जून, 2014	S. C. Rath एस,सी.रथ
Meeting of XXII ICAR Regional Committee Zone-II XXII भाकृअप क्षेत्रीय समिति जोन - II की बैठक	CIFRI, Barackpore सिफरी, बैरकपूर	27-28 June, 2014 27-28 जून, 2014	P. Jayasankar P. P. Chakrabarti पी.जयसंकर, पी.पी.चक्रवर्ती

Participation in Exhibitions

The Institute participated in the following exhibitions:

प्रदर्शनी में भागीदारी

संस्थान निम्नलिखित प्रदर्शनी में भाग लिया।

Event घटना	Venue स्थल	Duration अवधि
5th Krishi Fair 2014 (organized by Shree Srikshetra Soochana Kendra, Puri) 5वीं कृषि मेला, 2014 (श्री श्रीक्षेत्र सूचना केन्द्र, पुरी द्वारा आयोजित)	Saradhabali, Puri साराधाबाली, पुरी	1-5 June, 2014 1-5 जून, 2014
Exhibition organized by Anand Agricultural University and District administration, Chhotaudepur (participation by RRC of CIFA, Anand) आनंद कृषि विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन, छोटाउदेपुर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी (क्षेत्रिय अनुसंधान केन्द्र, सीफा, आनंद द्वारा भागिदारी)	Chhotaudepur, Gujarat छोटाउदेपुर, गुजरात	3-4 June, 2014 3-4 जून, 2014

Fifth Krishi Fair-2014

Exposure Visits

Exposure visits at the Institute and its different facilities were conducted for 367 visitors including 119 women during April-June, 2014.

CIFA Organizes Exposure Visit Programme for Ramakrishna Mission - KVK Farmers

The Institute organized a 5-day exposure visit programme during 23-27 June, 2014 for a group of 21 promising adopted fish farmers of 'Sasya

प्रदर्शनी भ्रमण

संस्थान और इसके विभिन्न सुविधाओं पर प्रदर्शनी भ्रमण अप्रैल-जून, 2014 के दौरान 119 महिला सहित 367 आंगतुकों के लिए आयोजित किया गया।

सीफा ने रामकृष्ण मिशन - केवीके कृषकों के लिए प्रदर्शनी भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया

रामकृष्ण मिशन आश्रम नरेंद्रपुर, कोलकाता में अरापंच पर अवस्थित रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय के तत्वाधान के तहत कृषि

Dr P. Jayasankar, Director, CIFA interacting with farmers

Shyamala'—Krishi Vigyan Kendra, under the aegis of Ramakrishna Mission Vivekananda University, located at Arapanch in Ramakrishna Mission Ashrama, Narendrapur, Kolkata. The entire young group of farmers averaging 30 years, educated from Standard VI to graduation level and with an average 6 years of experience in fish farming were from South 24 Parganas District of West Bengal. Most of them (77%) are operating their own ponds, little below 1 ha on an average. Dr P. Jayasankar, Director gave an overview of the array of the technologies available with the Institute and advised the farmers to choose those which are most suitable for them.

Dr. Swagat Ghosh, Subject Matter Specialist in fisheries of the KVK who lead the team informed that the exposure programme was funded by National Fisheries Development Board, Hyderabad and its objective was to enlighten and motivate them about new ideas and technologies in aquaculture and finding solutions to their queries through direct interactions with the experts. The group also visited Aquaculture Field School of CIFA developed with technical guidance of its scientists on a private fish farm at Sarakana village of Khordha district, to facilitate horizontal and cost-effective transfer of aquaculture technologies. The farmers got lot of

विज्ञान केंद्र -सस्य श्यामला के 21 होनहार अंगीकृत कृषकों के समूह के लिए संस्थान ने 23-27 जून, 2014 के दौरान 5 दिवसीय प्रदर्शनी भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया। स्टैंडर्ड छठी से स्नातक स्तर तक शिक्षित और मत्स्य खेती में औसत 6 वर्षों के अनुभव के साथ, 30 वर्ष के औसत कृषकों का पूरा युवा समूह पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिला से थे। उनमें से सभी (77%) के पास औसत 1.0 हेक्टेयर से थोड़ा छोटा स्वयं तालाब में संचालन कर रहे है। डॉ पी.जयसंकर, निदेशक, ने संस्थान के साथ उपलब्ध तकनीकी का सिंहावलोकन दिया और उनके लिए सबसे उपयूक्त तकनीक को चयन करने के लिए किसानों को सलाह दी।

डॉ स्वागत घोष, केवीके के मत्स्य विषय वस्तु विशेषज्ञ जो टीम का नेतृत्व किया ने सुचना दी की प्रदर्शनी भ्रमण कार्यक्रम राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड , हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित किया गया और इसका उद्धेश्य जलकृषि में नए विचारों और प्रौद्योगिकी के बारे में उन्हें प्रकाश डालना और प्रेरित करना और विशेषज्ञों के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से उनके प्रश्नों का सामाधान खोजना था। समूह ने सीफा के एक्वाकल्चर फील्ड स्कूल का भ्रमण किया। सीफा ने जलकृषि प्रौद्योगिकियों के क्षैतिज और लागत प्रभावी प्रसार की सुविधा के लिए खोर्द्धा जिला के सराकना गांव के निजी मत्स्य प्रक्षेत्र पर अपने वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन के साथ एक्वाकल्चर फील्ड स्कूल विकसित किया। किसान प्रजनन मौसम में फील्ड स्कूल गतिविधियों के अवलोकन और प्रशिक्षित

inspiration from observation of the field school activities in breeding season and interaction with the trained aqua-entrepreneurs. They felt that they could now effectively utilize the knowledge and experience gained from such progressive farmers for their development.

जलकृषि उद्यमियों के सथ बातचित से बहुत प्रेरणा मिलती है। उन्होनें महसुस किया कि वे अपने विकास के लिए इस तरह के प्रगतिशिल किसानों से प्राप्त ज्ञान और अनुभव का प्रभावी ढ़ंग से उपयोग करेंगे ।

Learning skills from the trained farmers at Aquaculture Field School of CIFA

Field Days on 'Freshwater aquaculture' organized for the following farmer groups

निम्नलिखित समूहों के लिए मीठाजल कृषि पर आयोजित फील्ड दिवस

Sl. No. क्र. सं्	Particular विवरण	Duration अवधि	No. of participant प्रतिभागियों की संख्या
1	Educational visits of students, Dept. of Zoology, University of Burdwan, Golapbag, Burdwan जंतु विज्ञान विभाग, बर्धवान विश्वविद्यालय, गोलापबाग, बर्धवान के छात्रो का शैक्षकि भ्रमण	24 April, 2014 24 अप्रैल, 2014	13
2	Department of Human Physiology with Community Health, Vidyasagar University, Paschim Medinipur, West Bengal सामुदायिक स्वास्थ्य के साथ मानव शरीर विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल।	26 April, 2014 26 अप्रैल, 2014	23
3	AFD for students of College of Fishery Science, SV Veterinary Univ. Muthukur, Nellore, AP मात्स्यिकी विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए एएफडी, एसवी पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय , मुथुकुर, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश	20-21 June, 2014 20-21 जून, 2014	24
4	Sasya Shyamala KVK, RK Mission Vivekananda Univ. Arapanch, Sonarpur, 24 Pgs. Kolkata सास्या श्यामला केवीके, आर के मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, अरापंच, सोनारपूर, २४ पर्गाना, कोलकाता	23-27 June, 2014 23-27 जून, 2014	21

AWARDS

The 28th Annual Day of CIFA was celebrated on 1 April, 2014. The Chief Guest on the occasion was Dr Ashwini Kumar, Director, Directorate of Water Management, Bhubaneswar and the Guests of Honour were Dr Damodar Satapathy, Director, College of Fisheries, Rangailunda; Dr B. Ravindran, Director, Institute of Life Sciences, Bhubaneswar; and Dr (Mrs) Neelam Grewal, Director, DRWA, Bhubaneswar, who graced the occasion and distributed the Annual Awards (2013) of the institute to the winners. More than 300 persons including farmers and retired employees of CIFA attended the function.

पुरस्कार

सीफा की 28वीं वार्षिक दिवस समारोह 1 अप्रैल, 2014 को मनाया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि डॉ अश्वनी कुमार, निदेशक, जल प्रबंधन निदेशालय, भुवनेश्वर और सम्मान के अतिथि डॉ दामोदर सतपथी, निदेशक, मात्स्यिकी कॉलेज, रंगाइलुंडा थे। डॉ बी. रविंद्रन, निदेशक, इंस्टीट्युट ऑफ लाइफ साईंस, भुवनेश्वर; और डॉ (श्रीमती) निलम ग्रेवाल, निदेशक डीआरडब्लुए, भुवनेश्वर इस अवसर पर उपस्थित थे और विजेताओं को संस्थान के वार्षिक पुरस्कार (2013) वितरित किया । कृषक और सीफा के सेवानिवृत कर्मचारियों सहित 300 से अधिक व्यक्तियों ने समारोह में भाग लिया।

Inaugural ceremony of the CIFA Annual Day 2014

Sri S. S. Mohapatra, AF&AO receiving the CIFA Annual Award 2013

Dr. P. K. Sahoo, National Fellow receiving the CIFA Annual Award 2013

Dr. U. L. Mohanty, Tech. Officer receiving the CIFA Annual Award 2013

The CIFA Annual Awards (for the year 2013) were presented to the following:

सीफा वार्षिक पूरस्कार (वर्ष 2013 के लिए), निम्नलिखित को प्रदान किए गये।

Best Division/Section/Unit/ Research Groups सर्वश्रेष्ठ विभाग/अनुभाग/इकाई/ अनुसंधान समूह	:	Fish Health Management Division and Business Planning and Development Unit मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग और व्यवसाय योजना एवं विकास इकाई
Best Scientist सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक	:	Dr. P.K. Sahoo, Principal Scientist & National Fellow डॉ पी.के.साहू, प्रधान वैज्ञानिक एवं नेशनल फेलो
Best Technical Staff member सर्वश्रेष्ठ तकनीकी कर्मचारी सदस्य	:	Shri P.R. Sahoo, T-6 (SMS, Fisheries), KVK, Khordha श्री पी.आर.साहू, टी-6 (एसएमएस मात्स्यिकी), केवीके, खोर्धा
Best Administrative Person सर्वश्रेष्ठ प्रशासनिक व्यक्ति	:	Shri Sudhansu Sekhar Mohapatra, AF&AO श्री सुधांसु सेखर महापात्र, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी
Best Skilled Support Staff/Field Staff सर्वश्रेष्ठ कुशल सहायक कर्मचारी/ फील्ड स्टॉफ	:	Shri Bauribandhu Ghadei, SSS Shri Prafulla Kumar Naik, SSS श्री बाउरीबंधु घड़ई, एसएसएस श्री प्रफुल कुमार नायक, एसएसएस
Award for Hindi work हिन्दी कार्यो के लिए पुरस्कार	:	Dr. B.C. Mohapatra, Pr. Scientist; Dr. P.K. Meher, Sr. Scientist; Dr. B.K. Das, Pr. Scientist; Dr. K.N. Mohanta, Pr. Scientist; Dr. D.K. Verma, Sr. Technical Officer and Dr. P. Jayasankar, Director डॉ बी.सी.महापात्रा, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ पी.के.मेहर, वरिष्ठ वैज्ञानिक; डॉ बी.के.दास, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ के.एन.महंता, प्रधान वैज्ञानिक; डॉ डी.के.वर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं डॉ पी.जयसंकर, निदेशक
Best Extension worker सर्वश्रेष्ठ प्रसार कार्यकर्ता	:	Dr. (Mrs.) U.L. Mohanty, Sr. Technical Officer डॉ (श्रीमती) यु.एल. मोहंती, वरिष्ठ तकनिकी अधिकारी
Best Research Scholar सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान स्कॉलर	:	Ms. Sofia Priyadarsani Das, Research Associate (FGBD) under the project 'Whole Genome Sequencing and Development of allied genomic resources in two commercially important fish. Labeo rohita and Clarias batrachus (DBT)' कुमारी सोफिया प्रियदर्सनी दास, रिसर्च एसोसिएट (एफजीबीडी) दो व्यावसायिक रुप से महत्वपूर्ण मछली, *लेबिओ रोहिता* एवं *क्लेरियस बाट्राकस* में पुर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग एवं एलाइड जीनोम संसाधनों का विकास की परियोजना के तहत
Awards for School Children स्कूल के बच्चों के लिए पुरस्कार		
Best girl child award for the highest scorer in class X in 2013 2013 में कक्षा X में उच्च प्राप्ताकं के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्रा पुरस्कार	:	Miss Saswati Mohapatra (D/o Shri S.S. Mohapatra, AF&AO) कुमारी स्वस्ती महापात्रा (पुत्री एस.एस.महापात्र, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी)
Best boy child award for the highest scorer in class X in 2013 2013 में कक्षा X में उच्च प्राप्ताकं के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार	:	No nominee कोई आवेदन नही

Sri Bauribandhu Ghadei, SSS receiving the CIFA Annual Award 2013

Sri Prafulla Kumar Naik, SSS receiving the CIFA Annual Award 2013

Special Appreciation Awards-2013 were also given as follows:

विशेष सराहना पुरस्कार - 2013 निम्नलिखित को दिया गया :

Most Effective Institution Building Committee of the year : "Farm & Campus Management Committee" वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संस्थान निर्माण समिति "फार्म और कैम्पस प्रबंधन समिति"	:	Dr J. K. Sundaray, HoD, FGBD and Team डॉ जे.के.सुंदराय, प्रभागाध्यक्ष, एफजीबीडी एवं सदस्य
Best Slogan of the year: "People and Partnership" वर्ष का सर्वश्रेष्ठ नारा "लोग और भागीदारी"	:	Dr P. N. Ananth, Programme Coordination (KVK) and Team डॉ पी.एन.अनंथ, कार्यक्रम समन्वयक (केवीके) एवं सदस्य
Most Significant Commercialized Technology of the Year: "CIFABROOD™" वर्ष का सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक प्रौद्योगिकी "सीफाब्रुड™"	:	Dr S. Nandi, Principal Scientist and Team डॉ एस.नंदी, प्रधान वैज्ञानिक एवं सदस्य
Most High Profile Extension Programme of the Year: "Livelihood Development of Tribal Communities of Bali Island, Sunderban, West Bengal through Aquaculture" वर्ष का सर्वश्रेष्ठ हाई प्रोफाइल प्रसार कार्यक्रम "जलकृषि के माध्यम से बाली, द्वीप, सुंदरवन, पश्चिम बंगाल के जनजातीय समुदायों की आजीविका विकास"	:	Dr P. P. Chakraborty, Principal Scientist and Scientist in Charge, RRC Rahara and Team डॉ पी.पी.चक्रवर्ती, प्रधान वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक प्रभारी, आरआरसी रहरा एवं सदस्य

CIFA has instituted two scholarships for promoting academic excellence among the children of the staff. One, with a donation of Rs. 1, 20,000 by Dr Hiralal Choudhuri in the memory of his father is named as 'Girish Chandra Chaudhuri Memorial Scholarship' and the other with a donation of Rs. 60,000 by Dr S. Ayyappan in the name of his mother and is named as 'Smt. S. Susheelamma Scholarship'. Applications are invited every year from the staff wards and the scholarship is given on the basis of merit. Two more awards i.e., Dr T. Ramaprabhu Memorial and Dr B.R. Mohanty Memorial for research scholars were instituted with donations from Ms Ramaprabhu and parents of Dr B.R. Mohanty.

सीफा ने कर्मचारियों के बच्चों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए दो छात्रवृत्तियों की शुरुआत की। एक 1, 20,000 रुपये के अनुदान के साथ डॉ हिरालाल चौधरी ने अपने पिता की स्मृति में गिरीश चंद्र चौधरी मेमोरियल छात्रवृत्ति और दूसरा 60,000 रुपये के अनुदान के साथ डॉ एस. अय्यप्पन, ने अपने माता के नाम में श्रीमती एस.सुशीलामा छात्रवृत्ति। कर्मचारी के बच्चों से प्रतिवर्ष आवेदन आमंत्रित किए जाते है और छात्रवृत्ति योग्यता के आधार पर दिया जाता है। सुश्री रामाप्रभु और डॉ बी.आर.मोहंती के माता पिता क अनुदानों के साथ रिसर्च स्कॉलर के लिए दो और पुरस्कार डॉ टी.रामाप्रभु मेमोरियल और डॉ बी.आर.मोहंती मेमोरियल स्थापित किया गया।

The recipients of the above awards are as follows:

उपर्युक्त पुरस्कार के प्राप्तकर्ता निम्नलिखित है ।

Girish Chandra Chaudhury Memorial Scholarship

गिरिश चंद्र चौधरी मेमोरिएल स्कॉलरशिप

Name नाम	Class वर्ग	Amount (Rs) राशी (रुपये)
Aditya Shubham आदित्य शुभम	Graduation स्नातक	3000.00
Ankeeta Priyam अंकिता प्रियम	Graduation स्नातक	3000.00

Smt. S. Susheelamma Scholarship

श्रीमती एस. सुशिलामा स्कॉलरशिप

Name नाम	Class वर्ग	Amount (Rs) राशी (रुपये)
Saswati Mohapatra स्वास्ती महापात्र	IX-X	1800.00
Ashis Abhisek आशिस अभिसेक	IX-X	1800.00
Priyadarshini Mohapatra प्रियदर्शनी महापात्र	VII-VIII	1200.00
Niharika Majhi निहारिका मांझी	VII-VIII	1200.00

Dr T. Ramaprabhu Memorial Award

डॉ टी.रामाप्रभु मेमोरियल पुरस्कार

Name नाम	Class वर्ग	Amount (Rs) राशी (रुपये)
Ms Abhilipsa Das कुमारी अभिलिप्सा दास	SRF एसआरएफ	3000.00
Ms Madhubanti Basu कुमारी मधुबंती बसु	SRF एसआरएफ	3000.00

Dr B.R. Mohanty Memorial Award

डॉ बी.आर.मोहंती मेमोरियल पुरस्कार

Name नाम	Class वर्ग	Amount (Rs) राशी (रुपये)
Ms Banya Kar कुमारी बन्या कर	SRF एसआरएफ	1400.00
Ms Sofia Priyadarshani Das कुमारी सोफिया प्रियादर्शनी दास	SRF एसआरएफ	1400.00

Apart from these awards, prizes were also distributed to winners of various sports and cultural events organized by the Institute.

इन पुरस्कारों के अलावा, संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

VISITORS

आगंतुक

Dr. (Mrs) B. Meenakumari, DDG (Fy), ICAR visiting the farm facilities at Field Station of CIFA, Kalyani

➢ **Dr (Mrs.) B. Meenakumari**, DDG (Fy), ICAR, and Dr P. Jayasankar, Director, CIFA visited the

➢ **डॉ (श्रीमती) बी. मीनाकुमारी**, उपमहानिदेशक (मात्स्यिकी) भाकृअप और डॉ पी.जयसंकर, निदेशक,

grow-out culture pond of hilsa at Field Station of CIFA, Kalyani on 29 June, 2014. They observed the induced spawning and various embryonic developmental stages of Ompak pabda; and fry & fingerlings of *Mystus gulio* produced at the centre through hypophysation technique.

सीफा ने 29 जून, 2014 को सीफा के फील्ड स्टेशन, कल्याणी पर हिलसा का ग्रो-आउट क्लचर तालाब का दौरा किया। उन्होने *ओमपक पाबदा* का उत्प्रेरित प्रजनन एवं विभिन्न भ्रुण विकास के चरण; और हाइपोफाइजेसन तकनीक के माध्यम से केद्र पर उत्पादित *मिस्टस गुलिओ* के फ्राई एवं फिंगरलिंग का निरक्षण किया।

Dr. (Mrs) B. Meenakumari, DDG (Fy), ICAR observing M. gulio brooders and hatchling during visit to Field Station of CIFA, Kalyani

APPOINTMENTS

- Shri S.K.C. Bose joined as Senior Finance and Accounts Officer w.e.f. 4.4.2014.

The following joined as scientist at CIFA

- Shri Nitish Kumar Chandan, Fish Nutrition (w.e.f. 7.4.2014)
- Shri Uday Kumar Udit, Fish Genetics & Breeding (w.e.f. 9.4.2014)
- Shri Ananthraja K., Aquaculture (w.e.f. 9.4.2014)
- Shri Rakesh Das, Fish Health Management (w.e.f. 9.4.2014)
- Shri Chaudhari Ajit Keshav, Aquaculture (w.e.f. 9.4.2014)
- Shri Arabinda Das, Aquaculture (w.e.f. 9.4.2014)
- Shri Kiran Dasrath Rasal, Fish Genetics & Breeding (w.e.f. 9.4.2014)

नियुक्ति

- श्री के.सी.बोस, वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी के रुप में 4 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से।

सीफा में निम्नलिखित ने वैज्ञानिक के रुप में योगदान दिया

- श्री नितिस कुमार चंदन, मत्स्य पोषण 07 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से।
- श्री उदय कुमार उदित, मत्स्य आनुवांशिकी एवं प्रजनन (09 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से)।
- श्री अनंतराजा के. जलकृषि (09 अप्रैल,2014 के प्रभाव से)।
- श्री राकेश दास, मत्स्य स्वास्थ्य प्रभंधन, (09 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से)।
- श्री चौधरी अजित केसव, जलकृषि (09 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से)।
- श्री श्री अरविंदो दास, जलकृषि, (09 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से)।
- श्री किरन दासरात रसाल, मत्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन (09.04. 2014 के प्रभाव से)।

PROMOTION

- Sri Krushna Chandra Das (Driver) from T-2 to T-3 w.e.f. 8 September, 2013
- Sri Trinath Chandra Behura (Driver) from T-2 to T-3 w.e.f. 7 November, 2013
- Sri Y. Raja Gopal Rao from T-2 to T-3 w.e.f. 20 April, 2013
- Sri Raghavendra C. H. from T-3 to T-4 w.e.f. 15 February, 2013

पदोन्नति

- श्री कृष्णा चंद्र दास (वाहन चालक) टी-2 से टी-3, 8 सितंबर, 2013 के प्रभाव से ।
- श्री त्रिनाथ चंद्र बेहुरा (वाहन चालक) टी-2 से टी-3, 7 नवंबर, 2013 के प्रभाव से ।
- श्री वाई. राजा गोपाल राव, टी-2 से टी-3, 20 फरवरी, 2013 के प्रभाव से ।
- श्री राघावेंद्रा सी.एच , टी-3 से टी-4, 15 फरवरी, 2013 के प्रभाव से ।

RETIREMENTS

- Sri G. P. Burmon, SSS (RRC of CIFA, Rahara) w.e.f. 30 April, 2014
- Sri Nishamani Jena, SSS w.e.f. 30 April, 2014
- Sri G. Adinarayan, SSS w.e.f. 31 May, 2014

सेवानिवृत्ति

- श्री जी.पी.बर्मन, एसएसएस (सीफा का क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, रहरा), 30 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से ।
- श्री निशामनी जेना, एसएसएस, 30 अप्रैल, 2014 के प्रभाव से ।
- श्री जी. आदिनारायण, एसएसएस, 31 मई, 2014 के प्रभाव से ।

Sri G. Adinarayan, SSS being felicitated by Director, CIFA on his retirement

CIFA NEWS is the official newsletter of the
Central Institute of Freshwater Aquaculture, Kausalyaganga, Bhubaneswar 751 002, Odisha
Published by: Dr P. Jayasankar, Director, CIFA
Editors: Dr B.C. Mohapatra, Dr Rajesh Kumar, Dr J.K. Sundaray & Ms B.L. Dhir
Editor (Hindi): Dr D.K. Verma
Tel: 91-674-2465421, 2465446; Fax: 91-674-2465407; Grams: AQUACULT, BHUBANESWAR
E-mail: cifa@ori.nic.in; Website: http://www.cifa.in

सीफा समाचार

केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, कौशलयागंग, भुवनेश्वर 751002, ओडिशा का
एक सरकारी समाचार पत्र है ।
प्रकाशक : डॉ.पी.जयसंकर, निदेशक, सीफा
संपादक : डॉ. बी.सी.महापात्रा, डॉ राजेश कुमार, डॉ. जे.के. सुन्दराय एवं श्रीमती बी. एल. धीर
संपादक (हिन्दी) : डॉ डी.के. वर्मा
ई-मेल : cifa@ori.nic.in; वेबसाइट : http://www.cifa.in
दूरभाष : 91-674-2465421, 2465446; फैक्स : 91-674-2465407; ग्राम्स: AQUACULT, भुवनेश्वर
ई-मेल : cifa@ori.nic.in; वेबसाइट : http://www.cifa.in